

प्रेषक,

ओम प्रकाश,  
प्रमुख सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

महानिदेशक,  
चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण,  
उत्तराखण्ड, देहरादून।

चिकित्सा अनुभाग-4

देहरादून : दिनांक 22 सितम्बर, 2015

विषय:-

वित्तीय वर्ष 2015-16 में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन योजनान्तर्गत भारत सरकार से  
धनावंटन की प्रत्याशा में राज्यांश की धनराशि अवमुक्त किये जाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक मिशन निदेशक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, उत्तराखण्ड, देहरादून के पत्रांक-UKHFWS/NHM/2015-16/9089, दिनांक 04.09.2015 का संदर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन योजनान्तर्गत वित्तीय वर्ष 2015-16 में भारत सरकार द्वारा अनुमोदित ₹ 377.43 करोड़ तथा इसी क्रम में भारत सरकार की ई-मेल, दिनांक 04.09.2015 के माध्यम से प्राप्त सूचना, जिसमें अवगत कराया गया है कि उत्तराखण्ड राज्य हेतु प्रथम किस्त के रूप में ₹ 152.37 करोड़ की धनराशि आवंटित की जायेगी। उक्त के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि भारत सरकार से केन्द्रांश की धनराशि ₹ 152.37 करोड़ प्राप्त होने की प्रत्याशा में राज्यांश की धनराशि ₹ 15.24 करोड़ (₹ पन्द्रह करोड़, चौबीस लाख मात्र) निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन आपके निर्वर्तन पर रखते हुए व्यय करने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

1. राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन योजनान्तर्गत अवमुक्त की जा रही धनराशि का व्यय उसी मद में किया जायेगा, जिसके लिए यह स्वीकृति दी जा रही है। उक्त धनराशि का आहरण/व्यय सम्बन्धित वित्तीय हस्तपुस्तिका में उल्लिखित प्राविधानों, बजट मैनुअल के अन्तर्गत एवं शासन द्वारा मितव्ययता के सम्बन्ध में समय-समय पर निर्गत आदेशों के अनुसार नियमानुसार ही किया जाना सुनिश्चित किया जायेगा।
2. उक्त धनराशि का आहरण एवं व्यय वास्तविक आवश्यकताओं के आधार पर ही किया जायेगा। अतिरिक्त धनराशि की प्रत्याशा में धनराशि का अनावश्यक व्यय कदापि न किया जाय।



(2)

3. अवमुक्त की जा रही धनराशि का पूर्ण उपयोग दिनांक 31.03.2016 तक करने के उपरान्त उपयोगिता प्रमाण-पत्र शासन को निर्धारित समयान्तर्गत उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित किया जाय तथा यदि उक्त तिथि तक कोई धनराशि अवशेष रहती है तो उसे नियमानुसार शासन को समर्पित किया जाय। संगत योजना हेतु भारत सरकार से प्रथम किस्त के रूप में धनराशि अवमुक्त कराने हेतु यथावश्यक कार्यवाही समयबद्ध रूप से पूर्ण की जानी सुनिश्चित की जायेगी।

4. इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2015-16 के आय-व्यय अनुदान संख्या-12 के लेखाशीर्षक-2210-चिकित्सा तथा लोक स्वास्थ्य-आयोजनागत-03-ग्रामीण स्वास्थ्य सेवायें-पाश्चात्य चिकित्सा पद्धति-110-अस्पताल तथा औषधालय-01-केन्द्रीय आयोजनागत/केन्द्र पुरोनिधानित योजनायें-0103-एन.आर.एच.एम. के अन्तर्गत 15% राज्यांश-20-सहायक अनुदान/अशंदान/राज सहायता के नामे डाला जायेगा।

यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या-193(P)/XXVII(3)/2015-16, दिनांक 22 सितम्बर, 2015 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

संलग्नक : अलॉटमेंट आई-डी।

भवदीय,

(ओम प्रकाश)  
प्रमुख सचिव

संख्या-1249(1)/XXVIII-4/2015-67(5)/2014, तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, ऑबेराय मोटर्स बिल्डिंग, सहारनपुर रोड़, देहरादून।
2. निदेशक, वित्त, एन0एच0एम0 यू0के0(स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय), भारत सरकार, नई दिल्ली को उनकी ई-मेल सूचना दिनांक 04.09.2015 के क्रम में इस आशय से प्रेषित है कि कृपया उत्तराखण्ड राज्य को केन्द्रांश की प्रथम किस्त की धनराशि शीघ्र अवमुक्त करने का कष्ट करें।
3. मिशन निदेशक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एन0आर0एच0एम0), उत्तराखण्ड, देहरादून।
4. निदेशक, कोषागार, उत्तराखण्ड, 23 लक्ष्मी रोड़, देहरादून।
5. वरिष्ठ/मुख्य कोषाधिकारी, देहरादून।
6. वित्त नियंत्रक, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, उत्तराखण्ड, देहरादून।
7. वित्त (व्यय नियंत्रण) अनुभाग-3/वित्त अनुभाग-1/नियोजन विभाग/चिकित्सा अनुभाग-5/एन0आई0सी0।
8. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(शिवेन्द्र नारायण सिंह)  
अनु सचिव